गुजरात में वाडिनार रिफ़ाइनरी

चर्चा में क्यों ?

- जुलाई 2025 में यूरोपीय संघ (EU) ने गुजरात की *वडीनार रिफाइनरी* (नयारा एनर्जी) पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत रोक लगाई। यह रोक शिपिंग (जहाज़ परिवहन), बीमा, वित्तीय सेवाएँ और “शैडो-फ्लीट” (गुप्त जहाज़ों के नेटवर्क) के इस्तेमाल पर लगाई गई। इसका कारण है कि इस रिफाइनरी से रूस की बड़ी तेल कंपनी *रॉसनेफ्ट* जुड़ी हुई है।

स्थान (Location):

- यह रिफाइनरी गुजरात राज्य के *देवभूमि द्वारका* ज़िले के *वडीनार* इलाके में स्थित है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

संचालन (Operator):

- इसे *नयारा एनर्जी* चलाती है, जिसे पहले *एस्सार ऑयल* के नाम से जाना जाता था।

मुख्य हिस्सेदार (Stakeholder):

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

- रूस की तेल कंपनी *रॉसनेफ्ट* का इसमें लगभग **49% हिस्सा** है।

महत्त्व (Rank):

- यह भारत की **दूसरी सबसे बड़ी एकल-स्थान रिफाइनरी** है।

ईंधन मानक (Fuel Standards):

- यह रिफाइनरी *Euro IV और Euro V* मानकों के अनुरूप स्वच्छ ईंधन बनाती है। ये मानक यूरोप में प्रदूषण कम करने के लिए तय किए गए हैं।

लॉजिस्टिक्स और परिवहन व्यवस्था (Logistics):

यहाँ से ईंधन और अन्य उत्पादों की ढुलाई के लिए आधुनिक सुविधाएँ हैं—

- **SPM (सिंगल प्वाइंट मूरिंग):** समुद्र में बड़े जहाज़ों से सीधे तेल उतारने/चढ़ाने की सुविधा।
- **जेट्टीज़:** जहाज़ रुकने के लिए छोटे बंदरगाह।
- **पाइपलाइनें, भंडारण टैंक (Tankage), रेल और सड़क मार्ग:** जिससे देश और विदेश में ईंधन भेजा जाता है।

प्रिलिम्स फैक्ट्स

प्रश्न: भारत में कौन सी रिफाइनरी सबसे पहले यूरोपीय संघ के रूस-विरोधी प्रतिबंधों से प्रभावित हुई थी?

उत्तर : वाडिनार रिफाइनरी (नयारा एनर्जी, गुजरात)।

प्रश्न: नयारा एनर्जी में रोसनेफ्ट की हिस्सेदारी कितनी है?

उत्र : लगभग 49%